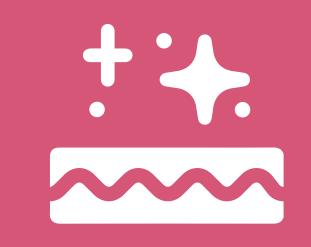
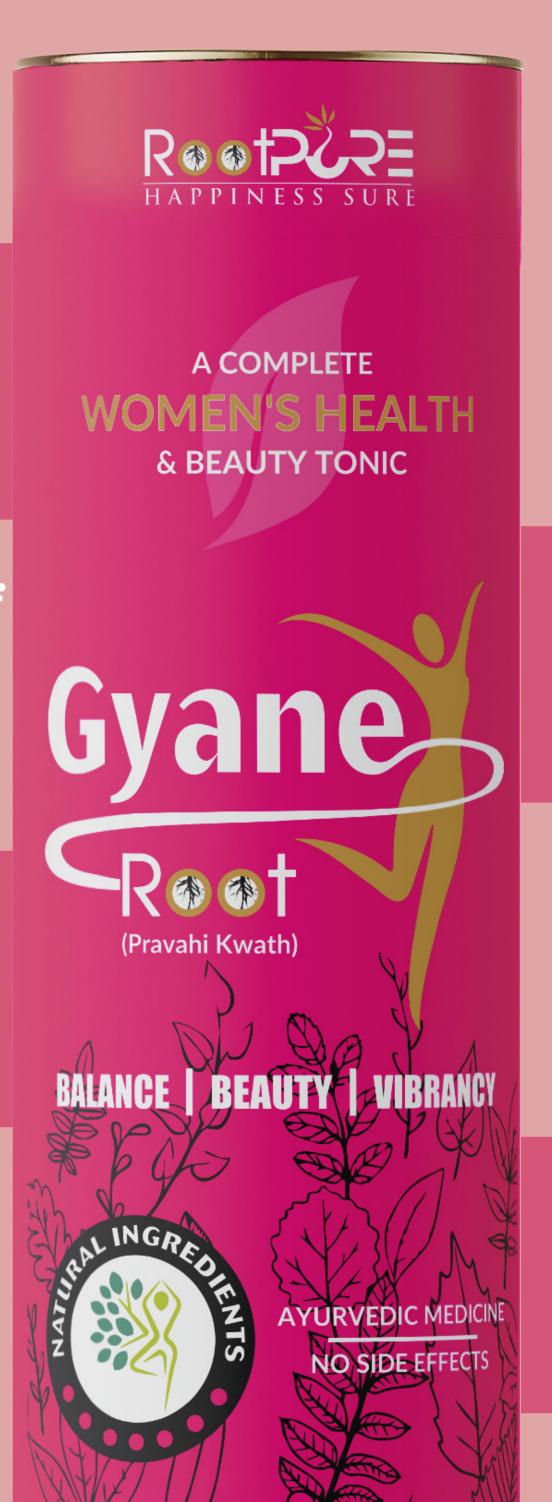


मासिक धर्म चक्र को नियमित करें



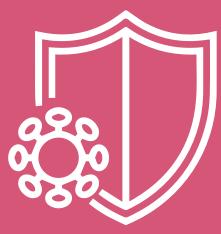
त्वचा का स्वास्थ्य



Net Vol. : 33.8 FLOz/1000ml.

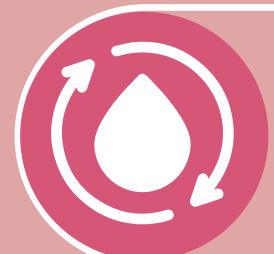


संजानात्मक कल्याण



प्रतिरक्षा और कल्याण

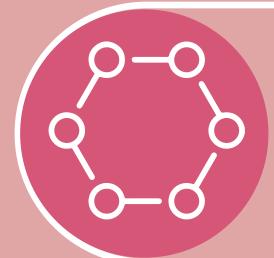




मासिक धर्म चक्र को विनियमित करना – अशोक और लोध्र जड़ी-बूटियाँ हार्मोन संतुलन और गर्भाशय स्वास्थ्य को बढ़ावा देकर मासिक धर्म चक्र को विनियमित करने में मदद कर सकती हैं।



मासिक धर्म संबंधी असुविधा को कम करना – शतावरी, इस जड़ी बूटी के हार्मोन संतुलन गुण ऐंठन, सूजन और मूड स्विंग सिहत मासिक धर्म संबंधी असुविधा को कम करने में योगदान करते हैं। दशमूल अपने एनाल्जेसिकगुणों के लिए जाना जाता है,दशमूल मासिक धर्म के दर्द को कम करता है।

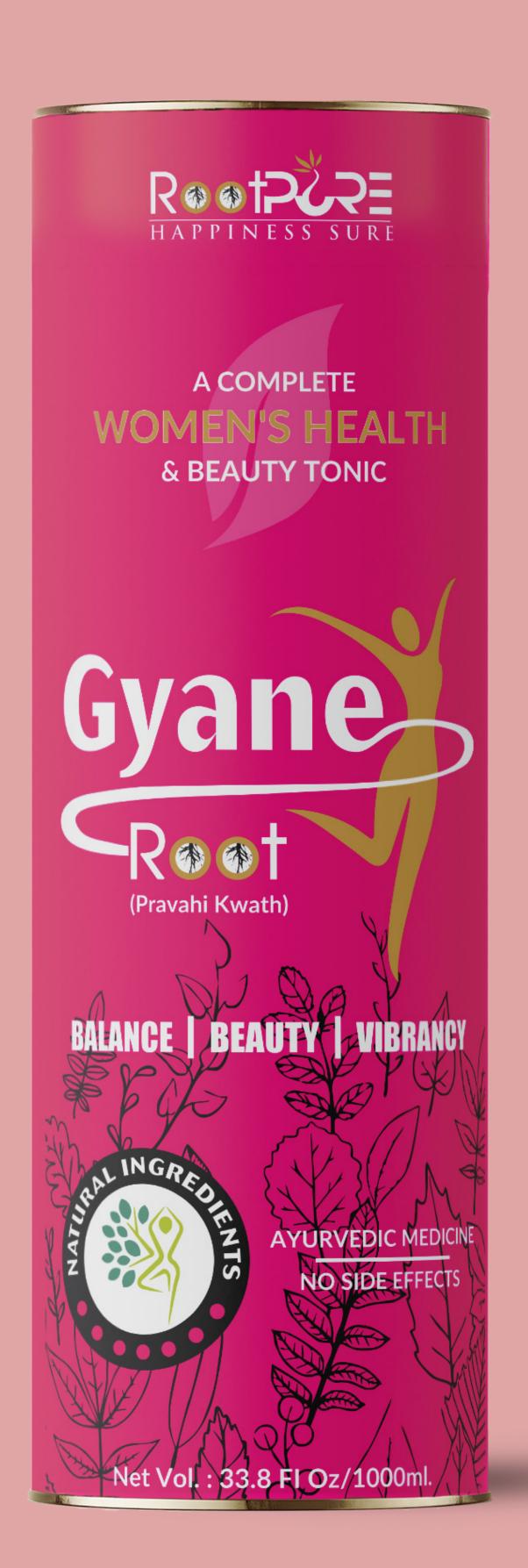


हार्मोनल संतुलन – शतावरी की एडाप्टोजेनिक प्रकृति मासिक धर्म के दौरान हार्मोनल संतुलन का समर्थन करती है, संभावित रूप से हार्मोनल उतार-चढ़ाव को कम करती है जिससे असुविधा हो सकती है।



तनाव और मूड स्विंग्स को प्रबंधित करना – अश्वगंधा: तनाव कम करने वाले गुणों के साथ, अश्वगंधा अक्सर मासिक धर्म से जुड़ी भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक चुनौतियों को प्रबंधित करने में मदद करता है। यहb भावनात्मक कल्याण और स्थिरता को बढ़ावा देता है।





सामग्री



अशोक: मासिक धर्म चक्र को विनियमित करने, अत्यधिक रक्तस्राव को कम करने और मासिक धर्म के दर्द को कम करनेमें मदद कर सकता है।



शतावरी: हार्मोनल संतुलन का समर्थन करती है, मासिक धर्म की परेशानी को कम करती है और मूड स्विंग को प्रबंधित करने में मदद करती है।



लोधरा: मासिक धर्म की ऐंठन को कम करने और समग्र प्रजनन स्वास्थ्य का समर्थन करने की अपनी क्षमता के लिए जाना जाता है।



आंवला: विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, जो एक स्वस्थ मासिक धर्म चक्र और प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा दे सकता है।



नागकेसर: पारंपरिक रूप से मासिक धर्म कल्याण और आराम का समर्थन करने के लिए उपयोग किया जाता है।





सामग्री



शंखपुष्पी: माना जाता है कि यह जड़ी बूटी संज्ञानात्मक स्वास्थ्य, स्मृति और मानसिक स्पष्टता का समर्थन करती **है।**



मुस्ताका: पाचन में सहायता करने और मासिक धर्म चक्र के दौरान सूजन को कम करने में इसके संभावित लाभों के लिए जाना जाता है।



दशमूल: दस जड़ों का मिश्रण, दशमूल का उपयोग जोड़ों के स्वास्थ्य, आराम और समग्र कल्याण के लिए किया जाता है।



अश्वगंधाः तनाव कम करने, प्रतिरक्षा समर्थन और समग्र जीवन शक्ति के लिए एडाप्टोजेनिक गुण।



कांचनार: थायरॉयड स्वास्थ्य का समर्थन करता है, सूजन को कम करता है, और समग्र कल्याण में योगदान देता है।







जीएमपी प्रमाणित



कीटो अनुकूल



ग्लूटेन मुक्त



आयुष प्रमाणित



प्रीमियम गुणवत्ता



सुरक्षा के लिए लैब में परीक्षण



अशोक, अर्जुन, पुष्करमूल, अश्वगंधा, शतावरी, माजुफल, लोध्र, आंवला, शंखपुष्पी, मूसली, नागकेसर, दशमूल, मुस्तका और कंचनार का संयोजन महिलाओं के मासिक धर्म स्वास्थ्य के लिए व्यापक सहायता प्रदान कर सकता है।

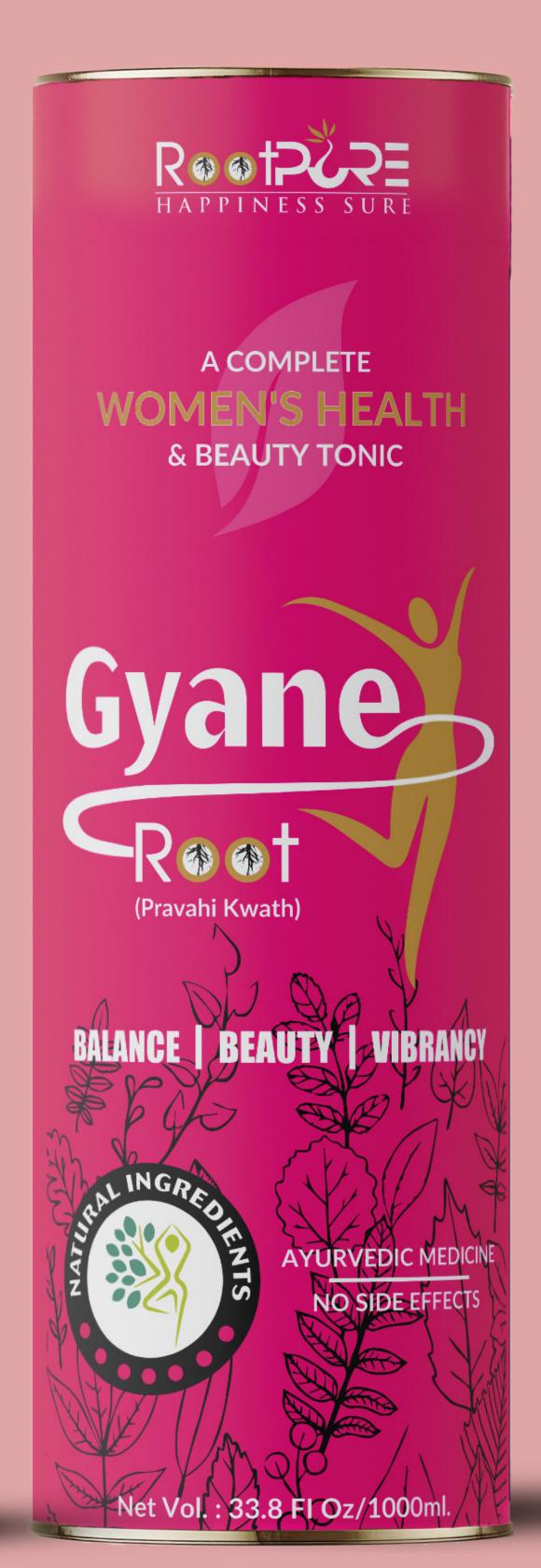
अशोक और लोधरा मासिक धर्म चक्र को नियंत्रित करते हैं और असुविधा को कम करते हैं, जबिक शतावरी हार्मोन को संतुलित करती है, मासिक धर्म के लक्षणों और मूड में बदलाव को कम करती है। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर आंवला रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और स्वस्थ चक्र को बनाए रखता है। नागकेसर पाचन में सहायता करता है, मासिक धर्म के दौरान अक्सर होने वाली सूजन को कम करता है।

अश्वगंधा के एडाप्टोजेनिक गुण तनाव से लड़ते हैं और जीवन शक्ति को बढ़ाते हैं, दशमूल मासिक धर्म से जुड़े पीठ दर्द और थकान को कम करता है, विश्राम को बढ़ावा देता है।

पुष्करमूल श्वसन स्वास्थ्य में सहायता करता है, मासिक धर्म के दौरान अच्छी तरह से ऑक्सीजनयुक्त रक्त सुनिश्चित करता है। अर्जुन हृदय स्वास्थ्य का समर्थन करता है,







उपयोग कैसे करें?



उपयोग से पहले बोतल को हिलाएं।





गर्म पानी के साथ 30 मिलीलीटर जूस पतला करें



भोजन से पहले प्रतिदिन दो बार सेवन करें